शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

रविवार 22 मार्च 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 322 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

इंडियन नेवी को आधुनिक युद्धपोत तारागिरी मिलेगा

नईदिल्ली। इंडियन नेवी 3 अप्रैल को नए स्टेल्थ फ्रिगेट (आधुनिक युद्धपोत) तारागिरी को कमीशन करने जा रही है। यह समारोह विशाखापत्तनम में आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। तारागिरी प्रोजेक्ट 17 के तहत बनने वाला चौथा उन्नत युद्धपोत है, जिसका वजन लगभग 6,670 टन है। यह सिर्फ एक जहाज नहीं बल्कि 'मेक इन इंडिया' पहल और भारत के स्वदेशी शिपयार्ड की आधुनिक इंजीनियरिंग क्षमता का शानदार उदाहरण है। यह स्टेल्थ तकनीक से लैस है, जिससे दुश्मनों के रडार से बचना आसान होता है और यह भारतीय नौसेना की ताकत को और बढ़ाएगा।

हैदराबाद में एमबीबीएस युवती ने सुसाइड किया

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में बिल्ली पालने को लेकर माता-पिता से हुए विवाद में 23 साल की एमबीबीएस डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने बताया कि घटना अलवाल इलाके की है। लड़की ने हाल ही में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी की थी। तीन महीने पहले ही उसने बिल्ली पाली थी। पुलिस ने बताया कि 18 मार्च को भी मीरपेट इलाके में 20 साल की लड़की ने पालतू बिल्ली की मौत से दुखी होकर सुसाइड कर लिया था।

आंध्र प्रदेश के विजयनगर में प्राइवेट बस का टायर फटा

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में, रामाभद्रपुरम मंडल के तारापुरम के पास एक निजी बस का पिछला टायर फटने से उसमें आग लग गई। भुवनेश्वर से मलकानगिरी जा रही 'ओडिशा ट्रैवल्स' की बस को ड्राइवर ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए रोक दिया। घटना के समय बस में कुल 37 यात्री सवार थे। बोब्बिली ग्रामीण थाने के सीआई श्रीनिवास ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना चिंताजनक: एससी

यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा, इससे आरोपी की इमेज खराब होती है

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है।कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है।

याचिकाकर्ता ने कहा- हर कोई खुद को मीडिया समझने लगा है

याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है।

सीजेआई बोले- यह 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा ट्रेंड

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं ॥ कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जांच एजेंसी का काम निष्पक्ष रहना है वह न पीड़ित के पक्ष में होती है, न आरोपी के।

सहारा बनाम सेबी केस का जिक्र

सुनवाई के दौरान सहारा बनाव सेबी केस का जिक्र हुआ, जिसमें मीडिया ट्रायल के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही चिंता जता चुका है। कोर्ट ने कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण यह खतरा और बढ़ गया है।

ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर हमला

● इस जंग में दूसरी बार निशाना बनाया गया ● अभी रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

राष्ट्रबाण तेल अवीव | एजेंसी rashtrabaan.in

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 22वां दिन है। ईरान के तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आज सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हवाई हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है।

इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है। इसकी एक खास बात यह है कि इसका बड़ा हिस्सा जमीन के नीचे बना हुआ है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसी हमले से इसे बचाया जा सके।

रूस ने नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हमले की निंदा की

रूस ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। ईरान ने इस हमले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को भी दी है।

ब्रिटेन ने डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की: ब्रिटेन ने उसके डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की है। ब्रिटेन का कहना है कि ईरान की ऐसी हरकतें इलाके के लिए खतरा हैं। हालांकि ये हमला कामयाब नहीं हुआ। ब्रिटेन इस लड़ाई में खुद सीधे शामिल नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल करने दिए हैं। ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया इसलिए अहम माना जाता है क्योंकि यह हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित एक बड़ा सैन्य ठिकाना है। यहां से अमेरिका दूर तक और तेजी से सैन्य ऑपरेशन चला सकता है। यह ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 3,800 किलोमीटर दूर है।

ईरान का आरोप- अमेरिका-इजराइल ने प्राइवेट जहाजों पर हमला किया

ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल फारस की खाड़ी में चल रहे प्राइवेट और पैसेंजर जहाजों पर हमला कर रहे हैं। ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि ये हमले जानबूझकर किए जा रहे हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा फिर हुआ, तो वह कड़ा जवाब देगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि ईरान ने खुद भी कुछ जहाजों पर हमला किया है।

अमेरिका बोला- तेल बेचकर भी ईरान को ज्यादा फायदा नहीं

अमेरिका ने कहा है कि ईरान को तेल बेचने की इजाजत देने के बाद भी उसे ज्यादा पैसा नहीं मिलेगा। अमेरिका ने कुछ समय के लिए करीब 14 करोड़ बैरल तेल बेचने की छूट दी है, लेकिन यह सिर्फ उस तेल पर लागू है जो पहले से जहाजों में भरा हुआ है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बसेंट ने कहा कि ईरान के लिए इस पैसे तक पहुंच पाना मुश्किल होगा। यह छूट सिर्फ थोड़े समय के लिए है और 19 अप्रैल तक ही लागू रहेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि तेल की बढ़ती कीमतों को कम किया जा सके, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट में तनाव की वजह से सप्लाई पर असर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का ज्यादातर तेल चीन जाता है, लेकिन अब यह तेल दूसरे एशियाई देशों में भी जा सकता है।

ईरान का दावा- इजराइली एयरपोर्ट पर हमला किया

ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला किया है। उनका कहना है कि इस हमले से एयरपोर्ट का काम प्रभावित हुआ है। उड़ानें और सेना के विमानों में ईंधन भरने में दिक्कत आई है। हालांकि, अभी तक इस हमले की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान का हिंद महासागर में अमेरिकी बेस पर हमला

ईरान ने शुक्रवार सुबह हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के जॉइंट सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। छ्हह्ह के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उनके मुताबिक, ईरान ने 2 मिसाइलें दागीं, लेकिन कोई भी बेस को निशाना नहीं बना सकी। यह बेस ईरान के तट से लगभग 3810 किलोमीटर दूर है।

ममता बोलीं– मोदी सबसे बड़े घुसपैठिए

बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगाया; केरल सीएम ने राहुल और कांग्रेस को बीजेपी की बी टीम बताया

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। उन्होंने कहा- जब आप विदेश जाते हैं तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और दोस्ती की बात करते हैं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं तो अचानक हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव शुरू हो जाता है और लोगों को घुसपैठिया कहा जाता है।

कोलकाता की रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, 'फिर आप नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया बताने की बात करते हैं। मैं कहूंगी, आप बड़े घुसपैठिए हैं। उन्होंने कहा, आपने हमारी सरकार पर कब्जा कर लिया है और अनऑफिशियल प्रेसिडेंट रूल लगा दिया है। लेकिन हम डरेंगे नहीं। जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जहन्नुम में जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे बीजेपी की 'बी-टीम' की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बात समझने में दिक्कत होती है।

राहुल ने कहा था कि देश के बाकी विपक्षी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियां बुला रही हैं या गिरफ्तार कर रही हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा नहीं हो रहा।

आसिम मुनीर की शिया धर्मगुरुओं को धमकी : बोले– ईरान से मोहब्बत तो वहीं चले जाओ

पाक आर्मी चीफ शिया इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे

राष्ट्रबाण इस्लामाबाद | एजेंसी rashtrabaan.in

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने गुरुवार को शिया धर्मगुरुओं से कहा कि जो लोग ईरान से इतना प्यार करते हैं, वे वहां चले जाएं। उनके इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने अपमानजनक और भड़काऊ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर ने रावलपिंडी में शिया समुदाय की एक इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे किसी को भी, किसी दूसरे देश के लिए अपनी वफादारी की वजह से, पाकिस्तान में अफरा-तफरी फैलाने की इजाजत नहीं देंगे। इससे पहले उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि किसी दूसरे देश की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस बयान के बाद शिया समुदाय का कहना है कि यह उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाने जैसा है। उनका मानना है कि यह बयान उनकी धार्मिक भावनाओं और पहचान को गलत तरीके से पेश करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक के बाद उलेमाओं से कहा गया था कि डिनर के बाद फिर से बातचीत होगी। लेकिन जनरल मुनीर अचानक कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इससे शिया नेताओं को लगा कि उनके साथ न सिर्फ औपचारिक बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी अपमान किया गया है।

मथुरा में साधु की मौत पर हंगामा, पथराव

पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं; आरोप– गोतस्करों ने ट्रक से कुचला, पुलिस बोली– हादसा

राष्ट्रबाण मथुरा | एजेंसी rashtrabaan.in

मथुरा में साधु चंद्रशेखर सिंह (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया।

बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गोवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए भाग गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बाबा जमीन पर पड़े हैं और उनके पास म्यान के साथ एक तलवार भी पड़ी है। जबकि, राजस्थान नंबर का ट्रक के आगे का हिस्सा डैमेज दिख रहा है।

हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा एक ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डीआईजी शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था।

दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली। देखते-ही-देखते हजारों की भीड़ छाता थाना क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई।

तेल की कीमतें बढ़ना महंगाई का संकेत : राहुल

कहा– सरकार भले ही इसे नॉर्मल बताए, लेकिन रोजमर्रा की चीजों का दाम बढ़ेंगे

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरने और इंस्ड्रियल फ्यूल की कीमत बढ़ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।'

उन्होंने लिखा कि सरकार चाहे इसे नॉर्मल बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, स्स्स्ध्ध्य को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।

राहुल बोले- शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा

राहुल ने लिखा किविदेशी संस्थागत निवेशक का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने लिखा है कि सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है, सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।

रुपया 93.53 के रिकॉर्ड लो पर पहुंचा, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर

20 मार्च को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 64 पैसे कमजोर होकर 93.53 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंचा। बाजार के जानकारों का कहना था कि दुनिया भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल की वजह से घरेलू करेंसी पर है।

अनंत शस्त्र समेत 6 प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू, सरकार इन पर 2.19 लाख करोड़ खर्च करेगी

भारत बिना आमने-सामने की जंग की तैयारी कर रहा

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

ईरान जंग के बीच भारत अब 'नॉन-कंटैक्ट वारफेयर' यानी बिना आमने-सामने आए लड़ी जाने वाली जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। सरकार अपनी सैन्य शक्ति को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक ढालने के लिए सबसे बेहतर रक्षा तकनीकों पर तेजी से काम कर रही है।

भारत ने न केवल 5th जेनरेशन(AMCA), बल्कि अब आधिकारिक तौर पर 6th जेनरेशन के फाइटर जेट्स के डिजाइन पर भी काम शुरू कर दिया है। साथ ही स्वदेशी एस-400 जैसी लंबी दूरी की मिसाइल सिक्योरिटी सिस्टम, ड्रोन को तबाह करने वाले 'अनंत शस्त्र' पर भी युद्धस्तर पर काम शुरू हो चुका है।

संसद में पेश की गई रक्षा समिति की रिपोर्ट्स में इसका खुलासा हुआ है। भारत फाइटर जेट्स के लिए शक्तिशाली स्वदेशी इंजन, नौसेना के लिए अभेद सुरक्षा कवच और एआई व साइबर डिफेंस जैसे प्रोजेक्ट्स डेवलप कर रहा है। इसके अलावा अस्त्र, नाग और ध्रुवास्त्र जैसी मिसाइलों के मार्क-2 वेरिएंट पर काम हो रहा है।

उड़ते हुए कमांड सेंटर की तरह काम कर सकेगा '6th जेन' विमान

देश का रक्षा दृष्टिकोण अब 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' की चुनौतियों को देखते हुए आक्रामक और रक्षात्मक प्रौद्योगिकियों के बीच एक सटीक संतुलन बनाने पर केंद्रित है। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी क्षमताओं को साबित किया था। अब 5th जेनरेशन के विमानों और 6th जेनरेशन की सोच (जैसे हाइपरसोनिक स्पीड और सी4आईएसआर सिस्टम) के साथ भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए पूरी तरह तैयार है।

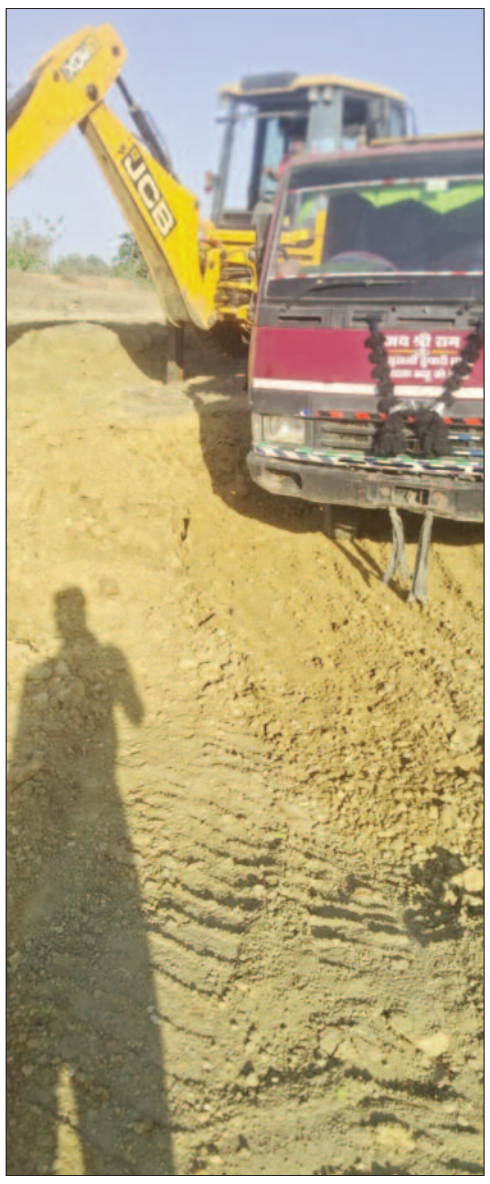

पतेरा टोला में अवैध मुरुम उत्खनन का खेल, जिम्मेदारों की खामोशी पर उठे तीखे सवाल

रात के अंधेरे में मशीनों से खनन, प्रशासन की चुप्पी से संरक्षण के आरोप

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सोहागपुर थाना क्षेत्र के पतेरा टोला गोरतरा में अवैध मुरुम उत्खनन का खुला खेल जारी है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ लंबे समय से चल रहा है लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों और जानकारों के मुताबिक बिना किसी वैध अनुमति के बड़े पैमाने पर मुरुम की खुदाई की जा रही है, जिससे शासन को भारी राजस्व हानि हो रही है और कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

दो लोगों की जोड़ी पर आरोप

सूत्रों की मानें तो इस पूरे अवैध उत्खनन का संचालन आकृति और योगेश नामक दो लोगों की जोड़ी कर रही है। बताया जाता है कि रात के समय भारी मशीनों की मदद से मुरुम निकाला जाता है और फिर उसे आसपास के क्षेत्रों में खपाकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन लोगों का इतना दबदबा है कि पंचायत स्तर पर भी कोई इनके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। डर और दबाव के चलते शिकायतें भी दबा दी जाती हैं।

प्राकृतिक संसाधनों पर डाका

अवैध खनन के चलते क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा दोहन हो रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही से गांव की कच्ची सड़कें बदहाल हो चुकी हैं। धूल और प्रदूषण से ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है। पर्यावरण को हो रहे नुकसान की ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही खनिज विभाग।

पुलिस-खनिज विभाग की संदिग्ध चुप्पी

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर पुलिस और खनिज विभाग इस पूरे मामले में चुप क्यों हैं? क्या यह महज लापरवाही है या फिर किसी प्रकार का संरक्षण? प्रशासनिक खामोशी कई तरह के संदेह पैदा कर रही है। जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे पर बोलने से बच रहे हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

अवैध उत्खनन पर लगाई जाए रोक

स्थानीय नागरिकों ने मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाकर क्षेत्र में कानून का राज स्थापित किया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक नींद से जागता है और इस खुलेआम चल रहे खेल पर लगाम लगाता है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, बसोहरा में भक्ति का माहौल

बाजे-गाजे के साथ निकली शोभायात्रा, राधा-कृष्ण झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले जनपद पंचायत जयसिंहनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बसोहरा में चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष के अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिल रहा है। मां बिरासिनी देवी मंदिर प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया।कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल मां खांखड़ा देवी मंदिर तक पहुंची और पुनः वापस मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। महिलाओं ने सिर व हाथों पर कलश धारण कर पूरे मार्ग में धार्मिक आस्था का परिचय दिया। बाजे-गाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली इस शोभायात्रा ने पूरे गांव को भक्तिमय माहौल में रंग दिया। यात्रा के दौरान सजाई गई राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

श्रद्धालुओं ने झांकी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 27 मार्च तक किया जा रहा है। कथा का वाचन वृंदावन धाम से पधारे आचार्य रविकृष्ण शास्त्री जी महाराज द्वारा किया जा रहा है। उनके मुखारविंद से कथा श्रवण कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं। कथा के साथ-साथ संगीतमय भजनों की प्रस्तुति भी दी जा रही है, जिस पर भक्त झूमते और भक्ति में लीन होते नजर आते हैं। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन मां बिरासिनी देवी नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्र के सभी ग्रामवासियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ लेने की अपील की है। कलश यात्रा में बसोहरा सहित आसपास के ग्रामों बरना, निगाई, लखनपुर और मुंहडोला के श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया।आयोजन के चलते पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है और लोग भक्ति में सराबोर दिखाई दे रहे हैं।

अकीदत के साथ मनाई गई ईद, ईदगाहों में उमड़ा नमाजियों का सैलाब

बुढ़ार रोड व पाली रोड ईदगाह में अदा हुई नमाज, अमन-चैन और तरक्की की मांगी दुआ

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले में ईद का पर्व इस बार भी पूरे उल्लास, भाईचारे और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में स्थित ईदगाहों में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के बुढ़ार रोड एवं पाली रोड स्थित प्रमुख ईदगाहों में सैकडों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने एकत्र होकर ईद की नमाज अदा की। सुबह के समय ईदगाहों के आसपास का माहौल पूरी तरह से उत्सवी नजर आया। छोटे-छोटे बच्चे नए कपड़ों में सजे-धजे अपने परिजनों के साथ ईदगाह पहुंचे। वहीं युवा और बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए समय से पहले ही पहुंच गए थे। तय समय पर इमाम द्वारा नमाज अदा कराई गई, जिसके बाद खुतबा पढ़ा गया और इस्लाम के मूल संदेश शांति, भाईचारा और इंसानियत को अपनाने की अपील की गई।

सुरक्षा रहे पुख्ता इंतजाम

त्योहार को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। ईदगाहों के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। यातायात व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित रखा गया, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी गई ताकि पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

गले लगाकर दी बधाई

नमाज के बाद नमाजियों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर में भाईचारे और सौहार्द का अनोखा दृश्य देखने को मिला, जहां लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करते नजर आए। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया, जो इस त्योहार को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। ईद के अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने मुस्लिम समाज के लोगों को बधाई दी और उनके साथ इस पर्व की खुशियां साझा कीं। कई स्थानों पर सामाजिक सद्भाव के प्रतीक स्वरूप लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। जिलेभर में दिनभर ईद की खुशियां छाई रहीं। घरों में सेवइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए तथा लोगों ने अपने रिश्तेदारों और मित्रों के साथ मिलकर इस पावन पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, आरोपी को गिरफ्तार कर माल किया बरामद

शहडोल। जिले के थाना धनपुरी क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने कार्रवाई कर खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को फोरयादी मोहनलाल सोनी ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके घर के सामने बरामदे से वाटर कूलर चोरी कर लिया गया, जिसकी कीमत लगभग 3,000 रुपये है। पुलिस ने जांच शुरू कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से अध्ययन किया गया। इसके आधार पर आरोपी अमीन खान पुत्र नूल अली उर्फ नूरा टेलर उम्र 33 वर्ष निवासी माली मोहल्ला वाडा नंबर 2 धनपुरी की पहचान की गई। पुलिस टीम ने आरोपी अमीन खान को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चोरी गया वाटर कूलर बरामद किया।

अवैध रेत खनन बना जानलेवा, बिजौरी में ट्रैक्टर पलटा, 8 मजदूर घायल

माइनिंग टीम की सूचना पर मची भगदड़, तीन की हालत गंभीर, निजी अस्पताल में कराया गया इलाज

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले में रेत खनन का वैध ठेका न होने का असर अब खतरनाक हादसों के रूप में सामने आने लगा है। सोहागपुर थाना क्षेत्र के बिजौरी में अवैध रेत उत्खनन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें रेत से लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार करीब आठ मजदूर घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना उस समय हुई जब नदी किनारे मजदूर ट्रैक्टर में रेत भर रहे थे। इसी बीच माइनिंग टीम के पहुंचने की सूचना फैलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जल्दबाजी में ट्रैक्टर चालक

वाहन लेकर भागने लगा लेकिन संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर पलट गया और उसमें सवार मजदूर उसके नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला।घायलों में अमन बैगा, दैय्या, रनिया, बुदनी, शनि, संतु, गणेश और सूरज शामिल हैं। सभी को उपचार के लिए जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों की माने तो तीन मजदूरों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि हादसे के बाद घायलों को जिला अस्पताल ले जाने के बजाय सीधे निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों की माने तो बिजौरी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन जारी है। दिन-रात ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के माध्यम से रेत का परिवहन किया जाता है लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। गौरतलब है कि जिले के कई नदी-नालों में इसी तरह का अवैध खनन बेखौफ जारी है। इससे पहले भी रेत माफिया की गतिविधियों के चलते गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें शासकीय कर्मचारियों पर हमले और जानलेवा दुर्घटनाएं शामिल हैं।इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है। बिजौरी की यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर कब तक अवैध रेत खनन यूं ही लोगों की जान पर भारी पड़ता रहेगा और जिम्मेदार विभाग मौन बने रहेंगे।

पर्यावरण संरक्षण है अस्तित्व का दायित्व, इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को दी गई जागरूकता

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और सतत जीवन शैली अपनाने का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण कोई वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व से जुड़ा दायित्व है, संदेश को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। उपस्थित छात्राओं को बताया गया कि पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने से न केवल पृथ्वी सुरक्षित रहेगी बल्कि हमारे जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इस अवसर पर मिशन लाइफ के तहत जागरूकता अभियान, लघु कार्यशालाएं, परियोजना प्रदर्शनी और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दो दिवसीय सतत जीवन शैली कार्यशाला में छात्राओं को व्यावहारिक और वैज्ञानिक तरीकों से पर्यावरण मित्र जीवन जीने की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान छात्राओं को कपड़े और जूट से उपयोगी वस्तुएं जैसे बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मिट्टी के बर्तनों को सजाकर उन्हें आकर्षक और उपयोगी बनाने की गतिविधियाँ कराई गईं। छात्राओं को जूट बैग, डायरी, पेन और फाइल जैसी सामग्री भी वितरित की गई। महाविद्यालय के प्राध्यापकों और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन शैली अपनाने के संकल्प को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की प्रतिबद्धता जताई।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सतत विकास के लिए सकारात्मक सोच विकसित करना बताया गया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी पर्यावरण और मानव जीवन दोनों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

देवगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विविध कार्यक्रम

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले के विकासखंड ब्यौहारी के ग्राम देवगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित इस अभियान में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी और ग्रामीण उत्साहपूर्वक भागीदारी निभा रहे हैं। ग्राम देवगांव में आयोजित कार्यक्रम में बावड़ी और वृक्ष पूजन के साथ-साथ श्रमदान कर बावड़ी की साफ-सफाई की गई। नवांकुर संस्था, जन अभियान परिषद और जगदंबा जन विकास समिति भमरहा के संयुक्त प्रयासों से संपन्न इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था अध्यक्ष यमुना प्रसाद नापित, परामर्शदाता हीरालाल साहू, सामाजिक कार्यकर्ता भैया लाल पाल, रमाकांत तिवारी, माधुरी तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और समिति सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने विधिवत पूजन-अर्चन और आरती कर जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उपस्थित ग्रामीणों ने इस अवसर पर श्रमदान में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे बावड़ी और आसपास के जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की गई। इस मौके पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल के बिना जीवन असंभव है, इसलिए हर व्यक्ति को जल की एक-एक बूंद बचाने के लिए जागरूक होना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस पहल से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश और जागरूकता फैलाने में मदद मिली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इस तरह के कार्यक्रम जिले के अन्य गांवों में भी निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति ग्रामीण समुदाय में चेतना बढ़ाई जा सके।

पपरेडी गांव में ग्रामीणों ने लिया संकल्प जल है तो कल है

पंच महाभूत पूजन और जल संरक्षण रैली से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले के ब्यौहारी विकासखंड अंतर्गत आखेटपुर सेक्टर के ग्राम पपरेडी में पर्यावरण संरक्षण और जल बचाव को लेकर जागरूकता का अनूठा अभियान देखने को मिला। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पंच महाभूतों के पूजन के साथ ही जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पांचों तत्वों के विधिवत पूजन से हुई। ग्रामीणों ने प्रकृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को प्रकृति और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध के बारे में बताया गया तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके बाद गांव में जल संरक्षण विषयक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवा शामिल हुए। ÷जल है तो कल है÷ जैसे नारों के साथ निकली इस रैली ने पूरे गांव में जागरूकता का माहौल बना दिया। ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, जल के समुचित उपयोग और व्यर्थ जल बर्बादी रोकने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं और समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बन सकता है, इसलिए अभी से सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में जल संरक्षण को अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव स्तर पर लोगों में जागरूकता बढ़ाना और सामूहिक प्रयासों के जरिए जल संकट से निपटने की दिशा में पहल करना रहा।

धनपुरी में झिरिया शिव शंकर मंदिर नाले की सफाई

शहडोल। जिले में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान जोर-शोर से चल रहा है। जिले भर में कुएं, बावड़ियों, तालाबों और नालों की सफाई व जीर्णोद्धार कर वर्षा जल संचयन को सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में धनपुरी नगरपालिका के वार्ड क्रमांक 4 में झिरिया शिव शंकर मंदिर परिसर के समीप नाले की सफाई का कार्य संपन्न किया गया। इस कार्य में नगरपालिका के मैदानी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीण सक्रिय रूप से शामिल रहे। सफाई के दौरान नाले में जमा कचरा और अन्य अवरोध हटाए गए, जिससे वर्षा जल की सुचारू निकासी सुनिश्चित होगी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 22 मार्च 2026

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

भोपाल के सराफा व्यापारी को लॉरेंस गैंग की धमकी, व्हाट्सऐप कॉल कर 10 करोड़ मांगे

एमपी के कारोबारियों को एक महीने में धमकी का चौथा मामला

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल के कोलार रोड इलाके में एक कारोबारी को विदेशी नंबरों से कॉल कर 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को लॉरेंस गैंग से जुड़ा बताते हुए धमकियां दीं। शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि एमपी के कारोबारियों को लॉरेंस गैंग से धमकी का यह एक महीने के भीतर यह चौथा मामला है। इसके पहले इंदौर के साउथ तुकोगंज इलाके में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी संजय जैन को भी लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी मिली थी। संजय ने इस मामले की शिकायत क्राइम ब्रांच में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। वहीं दो दिन पहले खरगोन जिले में किसान कारोबारी दिलीप सिंह राठौड़ के घर पर फायरिंग की घटना हुई थी। इस फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। गैंग के मेंबर हैरी बॉक्सर और आरजू बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी। बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाई थीं, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। इसके अलावा करीब एक महीने पहले अशोकनगर में बिल्डर और कारोबारी अंकित अग्रवाल को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी मिली थी। उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और धमकी देने वाले ने खुद को गैंग का सदस्य 'हैरी बॉक्सर' बताया था। खास बात यह है कि इन सभी मामलों में धमकी देने वाले ने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 'हैरी बॉक्सर' के रूप में बताया है।

गौरव जैन, रियल एस्टेट और सराफा कारोबारी

व्हाट्सऐप कॉल कर मांगे 10 करोड़

पुलिस के अनुसार पार्वती नगर निवासी 42 वर्षीय रियल एस्टेट और सराफा कारोबारी गौरव जैन ने कोलार रोड थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 18 मार्च की रात करीब 10.30 बजे उनके मोबाइल पर एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को 'हैरी बॉक्सर' बताते हुए कहा कि वह लॉरेंस गैंग से जुड़ा है और गौरव जैन को 10 करोड़ रुपए तैयार रखने होंगे। साथ ही आरोपी ने उन्हें अपने परिचितों से मिल लेने और अपने बारे में इंटरनेट पर जानकारी जुटाने की बात भी कही।

ऑडियो और स्क्रीनशॉट के आधार पर जांच शुरू

कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी के मुताबिक प्रारंभिक जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही भेजे गए ऑडियो और स्क्रीनशॉट को भी जांच में शामिल किया गया है।

दूसरे कॉल में गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी

शिकायतकर्ता ने पहले कॉल को फर्जी समझकर नजरअंदाज कर दिया था, लेकिन 20 मार्च की सुबह करीब 10:56 बजे दूसरे नंबर से दोबारा कॉल आया। इस बार आरोपी ने सीधे पैसों की मांग दोहराई। इनकार करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी कि रकम नहीं देने पर उसके गुर्गे कहीं भी हमला कर सकते हैं, और अंजाम गंभीर होगा।। पीड़ित के अनुसार, कॉल के बाद व्हाट्सऐप पर लगातार धमकी भरे ऑडियो मैसेज भी भेजे गए, जिनमें रैकी कराने और हथियार से हमला करवाने की बात कही गई। इससे डरे कारोबारी ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

डॉक्टरों ने मृत बताया, कुछ देर बाद हिलने लगा नवजात

भोपाल के हमीदिया में फिर लापरवाही ; परिजन का हंगामा, पुलिस बुलानी पड़ी

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में एक बार फिर नवजात को मृत घोषित करने के बाद उसमें हरकत दिखने का मामला सामने आया है, जिससे अस्पताल में विवाद की स्थिति बन गई। शुक्रवार को 6 माह की गर्भवती महिला की इमरजेंसी डिलीवरी के बाद बच्चे को मृत बताया गया, लेकिन कुछ देर बाद धड़कन जैसे संकेत मिलने पर परिजन आक्रोशित हो गए। इससे पहले भी बुधवार को इसी तरह का मामला सामने आ चुका है, जिसमें मृत घोषित बच्ची में सांसें चलने का दावा किया गया था। हमीदिया अस्पताल में परिजनों का देर रात 12 बजे तक हंगामा होता रहा। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि यह अत्यंत प्री-मेच्योर एबॉर्टस केस था, जिसमें ऐसी स्थिति संभव होती है।

इमरजेंसी डिलीवरी के बाद नवजात को मृत घोषित किया

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे मानताशा नाम की महिला हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-2 में गंभीर हालत में पहुंची। महिला लगभग 6 महीने की गर्भवती थी। अस्पताल पहुंचने के समय ही शिशु का सिर बाहर आ चुका था। स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत लेबर रूम में भर्ती कर इमरजेंसी डिलीवरी कराई। इसके बाद परिजनों को बताया गया कि बच्चा मृत पैदा हुआ है, लेकिन कुछ समय बाद नवजात में हलचल जैसी स्थिति दिखने लगी, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल में हंगामा शुरू हो गया।

तीन दिन पहले भी सामने आया था ऐसा मामला

हमीदिया अस्पताल में इससे पहले भी इसी तरह का विवाद बुधवार को सामने आया था। उस मामले में एक नवजात को मृत घोषित कर मृत्यु प्रमाण पत्र दे दिया गया था। परिजनों का दावा था कि जब वे करीब चार घंटे बाद एनआईसीयू में शव लेने पहुंचे तो बच्ची में सांसें चल रही थीं। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया, जिसमें नवजात का पेट हिलता नजर आया। इस घटना के बाद भी अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। अब दोबारा सामने आए मामले ने चिंता और बढ़ा दी है।

प्रशासन ने कहा-एबोर्ट्स केस था, दिखती है हलचल

हमीदिया अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इस प्रकार की स्थिति अकसर उन मामलों में देखने को मिलती है, जब शिशु का जन्म 6 माह या उससे पहले हो जाता है। इसे मेडिकल भाषा में एबोर्ट्स केस कहा जाता है। ऐसे मामलों में जन्म के बाद कुछ समय के लिए शिशु के शरीर में हलचल दिखाई दे सकती है, लेकिन मेडिकल दृष्टि से उसके जीवित रहने की संभावना कम होती है। मेडिकल परिभाषा के अनुसार, एबोर्ट्स उस स्थिति को कहा जाता है, जब गर्भ में पल रहा भ्रूण 20 सप्ताह से पहले बाहर आ जाए या उसका वजन 500 ग्राम से कम हो। ऐसे शिशुओं के अंग पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते, जिससे उनके जीवित रहने की संभावना बहुत कम रह जाती है। यह स्थिति प्राकृतिक (मिसकैरेज) या मेडिकल कारणों से भी हो सकती है।

हंगामे के बाद पुलिस को बुलाना पड़ा

परिजनों के हंगामे को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई और कोहेफिजा टीआई के.जी. शुक्ला को बुलाया गया। पुलिस ने पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रित किया। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन घटना ने एक बार फिर अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पोस्टमॉर्टम के सुझाव को परिजनों ने ठुकराया

अस्पताल प्रशासन ने परिजनों की शंकाओं को दूर करने के लिए पोस्टमॉर्टम कराने का सुझाव दिया था, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके। हालांकि, परिजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने नियमानुसार शिशु का शव परिजनों को सौंप दिया।

मां की जान बचाने कराई गई डिलीवरी

गायनिक विभाग की सीनियर डॉक्टर ने बताया कि हमीदिया अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 20 डिलीवरी होती है। हर दूसरे-तीसरे दिन इस प्रकार का एक मामला सामने आता है। शुक्रवार को जन्मे शिशु के फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं थे, जिससे उसके जीवित रहने की संभावना नहीं थी। मेडिकल के अनुसार, यदि उस समय डिलीवरी को टाला जाता तो इससे मां की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। इसलिए तत्काल निर्णय लेते हुए ड्यूटी डॉक्टर ने डिलीवरी कराई। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे मामलों में शिशु के शरीर में जो हलचल दिखाई देती है, वह जैविक प्रतिक्रिया होती है, जिसे आमतौर पर जीवित होने के रूप में समझ लिया जाता है।

ईद की नमाज के बाद भोपाल में लगे नारे-अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद

शिया समुदाय के लोग काली पट्टी बांधकर पुराने कपड़ों में पहुंचे इमामबाड़ा

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

रमजान के 30 रोजे पूरे होने के बाद आज भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन सहित प्रदेशभर में ईद-उल-फितर मनाई जा रही है। भोपाल में गुरुवार को चांद नजर नहीं आने के बाद शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने 21 मार्च यानी शनिवार को ईद मनाने का एलान किया था। भोपाल के ईदगाह में सुबह 7.30 बजे पहली नमाज अदा हुई। इसके बाद जामा मस्जिद में 7.45 बजे, ताज-उल मसजिद में 8 बजे और मोती मस्जिद में 8.15 बजे नमाज हुई। ताज-उल-मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब की सरपरस्ती में खास दुआ कराई गई। इस मौके पर बड़ी तादाद में नमाज़ियों ने शिरकत की। भोपाल में शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। लोग काली पट्टी बांधकर सादे और पुराने कपड़ों में पहुंचे, जिससे गम का माहौल दिखा। इमामबाड़ा में आयतुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के रुख का जिक्र करते हुए उनके विचारों की सराहना भी की। इसके अलावा फतेहगढ़ इमामबाड़ा में भी काली पट्टी बांधकर ईद मनाई गई।

नमाज से पहले फित्रा अदा करने की अपील

मसाजिद कमेटी के अनुसार फित्रा गेहूं के हिसाब से प्रति व्यक्ति करीब 70 रुपए तय किया गया है। वहीं चांदी के भाव के अनुसार अधिकतम फित्रा लगभग 1650 रुपए तक हो सकता है। नमाज से पहले फित्रा अदा करने की अपील की गई है।

इंदौर में करीब 60 साल से चली आ रही परंपरा

ईद पर इंदौर में सलवाड़िया परिवार करीब 60 साल से शहर काजी को उनके घर से लेकर सदर बाजार ईदगाह पर लाने और छोड़ने की परंपरा निभाते आ रहा है। आज भी ईद के मौके पर सलवाड़िया परिवार की दूसरी पीढ़ी सत्यनारायण सलवाड़िया विंटेज कार और बग्घी लेकर राजमोहल्ला स्थित शहर काजी के घर पहुंचे और उन्हें सदर बाजार ईदगाह लाने वाले जाने का काम किया। सत्यनारायण सलवाड़िया ने बताया- मेरे पिता रामचंद्र सलवाड़िया ने इसकी शुरुआत की थी। इसके बाद से यह परंपरा जारी है। पहले हमारे पिताजी शहर काजी के पिताजी को लेकर ईदगाह लेकर जाते थे। अब वही परंपरा हम निभा रहे हैं।

एम्स भोपाल में मोबाइल चुराते पकड़ा गया युवक

चार्जिंग से मोबाइल निकालते ही गार्ड ने दबोचा ; पुलिस को सौंपा

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

ईद उल फितर का त्योहार होने से शनिवार को छुट्टी रही। सरकारी अस्पतालों की ओपीडी बंद है, जिससे परिसर खाली हैं। इसी को अवसर मानते हुए चोर एक्टिव हो गए हैं। शनिवार सुबह करीब 10 बजे एक चोर एम्स भोपाल में परिजनों के चार्जिंग में लगे मोबाइल को चुराने के इरादे से पहुंचा था। लेकिन, जैसे ही उसने फोन को चार्जिंग से निकाला, गार्ड की उस पर नजर पड़ गई और वह पकड़ा गया।

युवक फोन चार्ज पर लगाकर सो रहा था

एम्स से मिली जानकारी के अनुसार, घटना सुबह 10 बजे के करीब की है। मेडिकल वार्ड के बाहर मौजूद गलियारे में एक युवक चार्जिंग सॉकेट में फोन चार्ज पर लगाकर सो रहा था। मौके का फायदा उठाते हुए एक चोर ने उसका फोन निकाला और मौके से फरार होने की मंशा से बाहर की ओर जाने लगा। लेकिन, उसकी यह गतिविधि एक गार्ड ने देख ली। इसके बाद उसने अपने साथियों को इसकी सूचना दी और चोर को घेरकर पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर उसने खुद का नाम राहुल शर्मा बताया। वह गार्ड से बार-बार खुद को छोड़ देने की बात कह रहा था। उसने कहा कि वह स्टूडेंट है और पैसे की जरूरत होने पर यह कदम उठाया। हालांकि, उसके पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला।

आरोपी को पुलिस क हवाले किया

एम्स के सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने इस पूरी घटना की रिपोर्ट एम्स के डिप्टी डायरेक्टर कार्यालय को दी है, जिसमें कहा गया कि गार्ड की मुस्तैदी के कारण चोर को पकड़ा गया। इसके बाद डायल 100 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी आरोपी को अपने साथ लेकर चले गए।

साइलेंट किलर बनते दो जहरों को लेकर चलेगा अभियान

डॉक्टर बोले- यह ले रहे लोगों की जान ; एल्युमिनियम और जिंक फॉस्फाइड की उपलब्धता बड़ा खतरा

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

एम्स भोपाल अब दो खतरनाक जहरों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी में है, जो आम लोगों की जान ले रहे हैं। फॉस्फीन गैस छोड़ने वाले एल्युमिनियम फॉस्फाइड (कीटनाशक) और जिंक फॉस्फाइड (चूहा मार दवा) पर आयोजित विशेष विष विज्ञान सत्र में विशेषज्ञों ने इनके खतरों, लक्षणों और इलाज की जानकारी दी। न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. एस श्रीहरि ने बताया कि ये जहर आसानी से उपलब्ध हैं और लापरवाही या गलत उपयोग के कारण गंभीर मामलों में बदल रहे हैं। समय पर पहचान और उपचार से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। वहीं, एम्स भोपाल के पॉइजन इंफॉर्मेशन सेंटर के आंकड़े बताते हैं कि देश में जहर की चपेट में आने वाला हर दूसरा विक्टिम 10 साल से छोटा बच्चा है। इस सेंटर में साल 2020 से अब तक 786 फोन कॉल देशभर से आए हैं, जिनमें से 401 कॉल में विक्टिम की आयु 10 साल से कम थी।

समय पर इलाज से बच सकती है जान

विशेषज्ञों ने बताया कि फॉस्फाइड जैसे जहर शरीर में पहुंचकर तेजी से असर करते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। समय रहते पहचान और तुरंत चिकित्सा सुविधा मिलने पर मरीज की जान बचाना संभव है।

आसान उपलब्धता बन रही बड़ा खतरा

डॉक्टरों के अनुसार, एल्युमिनियम फॉस्फाइड का उपयोग अनाज को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है, जबकि जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल चूहा मारने की दवा के रूप में होता है। ये दोनों रसायन गांवों, गोदामों और बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यही कारण है कि इनका गलत इस्तेमाल बढ़ रहा है और ये आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं।

हाई-प्रोटीन डाइट शौकीन असलम का जेल में वजन घटा

22 घंटे की रिहाई के बाद एनएसए में दोबारा जेल भेजा गया ; नई पहचान बंदी नंबर 500

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल नगर निगम के स्लॉटर हाउस से निकले मांस में गोमांस की पुष्टि के बाद गिरफ्तार असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को 70 दिन बाद सेशन कोर्ट से जमानत मिलने के बाद बुधवार (18 मार्च) रात उसकी रिहाई हो गई। हालांकि, जेल से निकलते ही उसे दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार (19 मार्च) को रिहाई के महज 22 घंटे बाद असलम चमड़ा के खिलाफ ह्रस्र के तहत कार्रवाई की गई और दोबारा जेल में दाखिल कर दिया गया। लग्जरी लाइफ और हाई-प्रोटीन डाइट लेने वाले असलम का जेल में रहने के दौरान चार किलो वजन कम हो गया है। इसकी पुष्टि जेल में दर्ज उसके रिकॉर्ड से हुई है। 8 जनवरी 2026 को जब उसे जेल में दाखिल किया गया था, तब उसका वजन 65 किलो था। गुरुवार को दोबारा जेल में दाखिल किए जाने के बाद नए सिरे से उसका रिकॉर्ड तैयार किया गया। तब उसका वजन 61 किलो निकला। एनएसए की कार्रवाई के बाद असलम को जेल में नई पहचान विचाराधीन बंदी नंबर 500/26 के रूप में मिली है। सुरक्षा कारणों के चलते उसे जेल के 'बी' खंड स्थित बिल्डिंग सेंटर में रखा गया है।

मंत्री और विधायक बोले- गौ हत्या करने वालों को नहीं छोड़ा जाएगा

असलम चमड़े पर कार्रवाई को लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि गौ हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। मध्यप्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ऐसे गौ हत्यारे, जिन्होंने गौ माता की हत्या की है, उन्हें नहीं छोड़ा जाएगा। असलम चमड़े पर रासुका के तहत कार्रवाई हुई है और आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि असलम चमड़े के साथ और भी जितने चमड़े हैं, उनके भी चमड़े उधेड़े जाएंगे। अभी तो ह्रस्र लगा है, आगे और भी कार्रवाई बाकी है। असलम चमड़े ने जो पाप किया है, उसे उसकी सौ पीढ़ियां भी नहीं धो पाएंगी। डॉ. मोहन यादव की मध्यप्रदेश सरकार गौ माता की रक्षा के लिए समर्पित है।

जेल से निकलते ही उठा ले गई थी पुलिस

बुधवार रात करीब 10 बजे भोपाल सेंट्रल जेल के मुख्य द्वार से असलम के निकलते ही पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया था। लाल रंग की पोलो कार से उसे जेल परिसर से बाहर निकाला गया। इस कार का एक वीडियो भी सामने आया है। पहले उसे परवलिया सड़क फिर सीहोर रोड ले जाया गया। इसके बाद देर रात उसे थाने लेकर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई की।

महिलाओं को बांटे चूल्हे ; इधर, कालाबाजारी करने वालों पर नजर

भोपाल में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत पर प्रदर्शन

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल में एलपीजी संकट बरकरार है। होटल और रेस्टोरेंट को पिछले 10 दिन से कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, तो घरेलू सिलेंडर की भी किल्लत है। बुकिंग कराने के 2 से 4 दिन के बाद ही सिलेंडर मिल रहे हैं। इसे लेकर आम लोगों में गुस्सा है। वहीं, कांग्रेस भी प्रदर्शन कर रही है। शनिवार को जिला प्रशासन की टीमें शहर के अलग-अलग स्थानों पर घूमती रही। ताकि, स्टॉक या कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई हो सके। एक दिन पहले शुक्रवार को 4 जगहों से कुल 36 सिलेंडर जब्त किए गए थे। इनमें घरेलू और कमर्शियल दोनों ही तरह के सिलेंडर शामिल हैं। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि टीम गोडाउन और एजेंसियों पर भी नजर रख रही है। वहीं, घरेलू सिलेंडर का यदि कमर्शियल तरीके से उपयोग हो रहा है तो उस पर भी कार्रवाई की जा रही है।

प्रभात चौराहे के पास गैस एजेंसी के सामने प्रदर्शन

शनिवार को प्रभात चौराहे के पास एक गैस एजेंसी के सामने कांग्रेसियों ने सिलेंडर नहीं मिलने पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में युवा कांग्रेस ने प्रभात चौराहे पर महिलाओं को चूल्हे बांटकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के डर के चलते आज भारत की सरकार रूस से रसोई गैस का आयात करने का फैसला नहीं ले पा रही है। जिसके चलते पूरा देश सिलेंडर की तलाश में भटक रहा है। गलत नीतियों की वजह से देश में गैस सिलेंडर की कमी हो गई है और रातोंरात प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। आने वाले समय में देश कई पेट्रोलियम उत्पादों की कमी से जूझेगा और आम जनता को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

चूल्हे पर रोटियां बनानी पड़ेगी, इसलिए चूल्हे बांटे

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आने वाले समय में चूल्हे पर रोटी बनाना पड़ सकती हैं। इसीलिए आज विरोधस्वरुप टीन के चूल्हे बांट रहे हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत निर्धन परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का वायदा किया था, जो वर्तमान में झूठा साबित हो रहा है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष खत्री ने मामले में जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि रसोई गैस की किल्लत का फायदा उठाकर एजेंसी संचालक मनमाने दाम पर सिलेंडर सप्लाई कर रहे हैं। रात के अंधेरे में सिलेंडर से भरे हुए ट्रक शहर में घूम रहे हैं, जबकि दिन के वक्त इन्हें तलाश पाना मुश्किल है। कांग्रेस ने मांग की है कि जिला प्रशासन तत्काल ऐसे एजेंसी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करें।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 22 मार्च 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

• मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

ससुंद्रा चेकिंग प्वाइंट पर हंगामे की असली वजह आई सामने

अवैध वसूली नहीं एक्सपायर परमिट बना विवाद की जड़

फोरलेन जाम करने वाले ट्रक चालक के दस्तावेज निकले अवैध, कार्रवाई से बचने के लिए किया हंगामा

नागपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर चेकिंग के दौरान शुरू हुआ विवाद, ड्राइवर ने ट्रक आड़ा खड़ा कर बनाया दबाव

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

नागपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर मुलताई के पास स्थित ससुंद्रा चेकिंग प्वाइंट को लेकर जिस तरह से अवैध वसूली और मारपीट की कहानी सामने आई थी, अब उसी मामले में एक के बाद एक ऐसे तथ्य सामने आ रहे हैं जो पूरे घटनाक्रम की दिशा ही बदल रहे हैं। जिस ट्रक चालक के साथ कथित वसूली और मारपीट का आरोप लगाया गया, उसी चालक के वाहन के दस्तावेजों की स्थिति ने पूरी कहानी को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है।

परमिट खत्म, पीयूसी खत्म, फिर भी चला रहा था वाहन

जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक सीजी 04 क्यूएफ 5918 के चालक सुरेश जाट, निवासी देवास मध्यप्रदेश का नेशनल परमीट 18 मार्च 2026 को ही समाप्त हो चुका था। इसके अलावा वाहन का पीयूसी भी 17 मार्च 2026 को खत्म हो गया था। यानी जिस वाहन को चेकिंग के दौरान रोका गया, वह जरूरी दस्तावेजों के बिना ही नेशनल हाईवे पर चल रहा था। ऐसे में सवाल यह उठने लगा है कि वैध दस्तावेजों के बिना पकड़े जाने के बाद क्या विवाद जानबूझकर खड़ा किया गया।

बैरियर प्रभारी ने आरोपों को बताया निराधार

ससुंद्रा चेक पोस्ट के बैरियर प्रभारी अनिमेष जैन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि किसी भी वाहन चालक से अवैध वसूली नहीं की गई है। उनके अनुसार वाहन चालक सुरेश जाट नशे की हालत में था और उसके वाहन के दस्तावेज भी वैध नहीं थे। विभाग की ओर से पीयूसी खत्म होने पर पांच हजार रुपए और बिना नेशनल परमीट वाहन चलाने पर 30 हजार 900 रुपए के अर्थदंड की कार्रवाई की बात कही गई थी, जिसके बाद चालक ने हंगामा शुरू कर दिया। बैरियर प्रभारी ने यह भी कहा कि चेकिंग पूरी तरह नियमों के तहत की जा रही थी।

कार्रवाई से बचने के लिए आड़ा खड़ा किया ट्रक

परिवहन विभाग के कर्मचारियों के अनुसार चेकिंग के दौरान वाहन को रोका गया तो चालक ने पहले वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन जब वह सफल नहीं हुआ तो उसने चेकिंग प्वाइंट से लगभग 900 मीटर आगे जाकर ट्रक को फोरलेन पर आड़ा खड़ा कर दिया। इसके बाद पीछे आ रहे अन्य ट्रक चालकों ने भी वाहन खड़े कर दिए और देखते ही देखते हाईवे पर जाम लग गया। बताया जा रहा है कि जाम लगभग दो किलोमीटर तक फैल गया और आने-जाने वाले कई वाहन फंस गए।

- नियमित चेकिंग के दौरान बढ़ा विवाद

परिवहन विभाग के अनुसार हर महीने के तीसरे और चौथे सप्ताह में दुपहिया से लेकर भारी वाहनों तक की दस्तावेजों की जांच की जाती है। इसी क्रम में ससुंद्रा के पास वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। जांच के दौरान जब सुरेश जाट के वाहन के दस्तावेजों की वैधता खत्म पाई गई, तो उस पर कार्रवाई की तैयारी की गई। लेकिन कार्रवाई से बचने के लिए चालक ने अन्य ट्रक चालकों को भी उकसाया और मामला अचानक बड़ा बन गया।

गौवंश तस्करी रोकने के लिए भी की जाती है सख्त चेकिंग

बैरियर प्रभारी अनिमेष जैन ने बताया कि नागपुर-भोपाल नेशनल हाईवे से बड़ी संख्या में कंटेनर और बंद वाहनों के जरिए पशुओं की तस्करी की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार कई बार वाहनों की सघन जांच करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में वैध दस्तावेज नहीं होने पर वाहन चालक विवाद खड़ा कर देते हैं ताकि चेकिंग पर दबाव बनाया जा सके। राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि यदि पुलिस और आरटीओ समय-समय पर वाहनों की सख्त चेकिंग न करें तो बड़ी संख्या में गोवंश की तस्करी लगातार बढ़ती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में नशे से जुड़े अवैध कारोबार में कंटेनर और ऐसे वाहन चालक लिप्त पाए गए हैं, जो चेकिंग के दौरान भागने की कोशिश करते हुए पकड़े जाते हैं।

- हंगामे के बाद खुलने लगी पूरी सच्चाई

पूरे घटनाक्रम के बाद अब यह मामला जाम या विवाद तक सीमित नहीं रह गया है। वाहन के दस्तावेजों की स्थिति, बैरियर प्रभारी का बयान और कार्रवाई से बचने की कोशिश जैसे तथ्य यह संकेत दे रहे हैं कि जिस तरह से अवैध वसूली का आरोप लगाया गया, वह पूरी तरह एकतरफा भी हो सकता है। अब प्रशासनिक स्तर पर जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी, लेकिन अब तक सामने आए तथ्यों ने ससुंद्रा चेकिंग प्वाइंट के पूरे विवाद को नई दिशा जरूर दे दी है।

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम का समापन, शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष्मान भारत 'उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम' के तहत आयोजित हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर प्रशिक्षण का तृतीय एवं अंतिम दिवस आज दिनांक 21 मार्च 2026 को उत्साहपूर्वक एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर-किशोरियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा शिक्षकों को इस दिशा में प्रभावी मार्गदर्शक के रूप में तैयार करना रहा।

प्रशिक्षण के तृतीय दिवस की शुरुआत पिछले दिवस के रीकैप के साथ हुई, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा पूर्व में प्राप्त ज्ञान को दोहराया गया और उससे जुड़े अनुभव साझा किए गए। इसके पश्चात ऋझ्रद्ब/स्झ्रद्ब जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिससे शिक्षकों को किशोरों के बीच इन विषयों पर जागरूकता फैलाने में सहायता मिल सके।

इसके साथ ही 'तनाव क्या है ', उसके प्रमुख कारण एवं उससे निपटने के प्रभावी उपायों पर गहन चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि वर्तमान समय में किशोरावस्था के दौरान तनाव एक सामान्य समस्या बनती जा रही है, ऐसे में समय रहते सही मार्गदर्शन एवं प्रबंधन तकनीकों की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। शिक्षकों को यह भी समझाया गया कि वे विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता एवं सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को व्यवहारिक जीवन में इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण को रोचक एवं सहभागी बनाने हेतु खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ। समापन सत्र के दौरान श्रीमती जागृति त्रिवेदी (जिला समन्वयक, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकमगढ़) द्वारा सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसी पहल है जो विद्यालय स्तर पर बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभवों का उपयोग अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से करें और विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें।

दानवाखेड़ा पहुंचे पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राहुल उइके

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम दानवाखेड़ा में दूषित पानी से फैली बीमारी के चलते बच्चों की मौत के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है। इसी बीच पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राहुल उइके गांव पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने मृत बच्चों के परिजनों से बात कर इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

राहुल उइके ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं बेहद पीड़ादायक हैं और प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती हैं। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और बताया कि लंबे समय से दूषित पानी की शिकायतें सामने आ रही थीं, लेकिन समय रहते समाधान नहीं किया गया।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गांव में तत्काल स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और प्रभावित लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही इस मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जामा मस्जिद अदा की ईद की नमाज

सारणी | संवाददाता
rashtrabaan.in

रमजान का पावन पर्व के समापन पर ईदुल फितर की नमाज अदा करने के बाद देश मे अमन चैन एवं भाई चारे के लिए दुआ मांगी. शनिवार को ई दुल फितर की नमाज जामा मस्जिद मे इमाम निसार अहमद साहब ने अदा कराई. नमाज अदा करने के बाद गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी.जामा मस्जिद मे ई द की नमाज की व्यवस्थाओ का एसडीओपी प्रियंका करचाम.टीआई जयपाल इवनाती, नायब तहसीलदार संतोष पथोंरिया ने जायजा लिया.अंजुमन कमेटी जामा मस्जिद के अध्यक्ष रफी अहमद एवं सचिव अब्दुल रहमान खान ने बताया कि रमजान माह मे एक माह रोजे रखने के बाद अल्लाह का शुक्रिया अदा करने के लिए ईद कि नमाज अदा की जाती है.उन्होंने कहा कि रमजान पावन महीने मे गरीबो को जकात एवं फितरा दिया जाता है. जिससे गरीब भी ईद का त्यौहार खुशियों के साथ मना सके.ई द पर आपस मे मिलकर गिले सिकवे भी दूर करते है. कमेटी के सचिव अब्दुल रहमान खान ने कहा कि ई दुल फितर की नमाज अदा करने के बाद रिश्तेदार एवं दोस्तों के घर जाकर सेवइयाँ खाते हैऔर एक दूसरे को मुबारक़ देते है.

23 मार्च को लगेगा विशाल मोतियाबिंद जांच शिविर

बैतूल। जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग, युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल बैरागढ़ भोपाल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर के तत्वावधान में विशाल मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन 23 मार्च दिन सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के गोपाल साहू ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद रोग से पीड़ित मरीजों के आंखों की जांच की जाएगी।

जीवात्मा महात्मा के माध्यम से परमात्मा को प्राप्त करता है : पं निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

वैसे तो जीव ब्रह्म का अंश है। दोनो अनादि काल से एक दूसरे से अभिन्न हैं किन्तु माया के प्रभाव में जीवात्मा और परमात्मा में दूरियां दिखाई पड़ती हैं। जैसे जब बादलों से जल गिरता है तो मार्ग में तो स्वच्छ और निर्मल रहता है किन्तु जैसे ही धरती का स्पर्श होता है वह मटमैला हो जाता है उसी प्रकार जीवात्मा जब तक माता के गर्भ में रहता है तब तक परमात्मा का दर्शन होता है किन्तु धरती पर जन्म लेते ही माया उसे अपने जाल में फंसा लेती है और वह अपने अनादि काल के हितैषी परमात्मा को भूलकर जगत प्रपंच में उलझ जाता है। न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड में चल रही नौ दिवसीय श्री हनुमत कथा के तृतीय दिवस मानस महारथी पं निर्मल कुमार शुक्ल ने उक्त उद्गार व्यक्त किए।

हनुमान जी का मंगल मय चरित्र सुनाते हुए आप ने कहा कि सुग्रीव का राज पाट पत्नी परिवार सब बालि ने छीन लिया और लात मारकर उसे घर के बाहर भगा दिया। सब कुछ छूट जाने पर भी सुग्रीव ने हनुमान जैसे संत का साथ नहीं छोड़ा उनके सानिध्य में रह कर किष्किंधा पर्वत पर समय व्यतीत करता रहा। माता सीता को खोजते हुए जब भगवान राम शबरी का निर्देश पाकर किष्किंधा के पास पंहुचे तो पर्वत पर बैठा सुग्रीव उन्हें देखकर भयभीत हो उठा।उसे लगा ये कोई बाली के भेजे हुए गुप्त चर हैं हनुमान जी को इन दोनों का परिचय पाने के लिए भेजा और बोला कि अगर वो बालि के भेजे गुप्तचर होंगे तो वहीं से संकेत कर देना ताकि मैं इस पर्वत से भाग जाऊं। हनुमान जी ब्राह्मण वेष बनाकर गये।

देवभिलाई के विट्ठल मंदिर में गुड़ी पाड़वा पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मन्नत पूरी होने पर पालने में डालकर किया बच्चों का नामकरण

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम देवभिलाई में स्थित सैकड़ों वर्षो पुराने विठ्ठल मंदिर में गुड़ी पाड़वा का दो दिवसीय धार्मिक आयोजन हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। आस्था और परंपरा का सबसे बड़ा आकर्षण वह दृश्य रहा जब संतान सुख मिलने पर माताएं अपने बच्चों को मंदिर के पालने में डालकर नामकरण संस्कार करती नजर आईं और भगवान विठ्ठल के प्रति आभार व्यक्त किया।

देवभिलाई गांव में स्थित यह प्राचीन मंदिर कृष्ण धनी अवधूत महाराज की गादी के रूप में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है। मंदिर के पुजारी भगत संतोष (गोलू) पाटिल ने बताया कि सैकड़ों वर्ष पहले उनके पूर्वज महाराष्ट्र से भगवान विठ्ठल की गादी यहां स्थापित कर लाए थे और तब से यह परंपरा लगातार चल रही है। मंदिर में ध्वज चढ़ाने की जिम्मेदारी भगत देवीदास साकरे निभाते हैं। उन्होंने बताया कि पहले यह कार्य उनके पिताजी करते थे और पीढ़ी दर पीढ़ी साकरे परिवार ही ध्वज चढ़ाने की परंपरा निभा रहा है। गुड़ी पाड़वा पर मंदिर में दो दिवसीय आयोजन किया जाता है। पहले दिन भजन मंडली द्वारा ढिंढी निकाली जाती है और पूरे गांव में परिक्रमा की जाती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु गेरुए रंग का कपड़ा ध्वज के रूप में भेंट करते हैं। ध्वज चढ़ाने की प्रक्रिया तीन घंटे से अधिक समय तक चलती है और ध्वज के कपड़े दान करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी सूची रहती है।

संतान सुख की मन्नत लेकर भगवान विठ्ठल के दरबार में आती हैं माताएं

भगत योगीराज ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि जो माताएं संतान सुख की मन्नत लेकर भगवान विठ्ठल के दरबार में आती हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है। संतान प्राप्त होने पर गुड़ी पाड़वा के दूसरे दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं के सामने माताएं अपने बच्चों को मंदिर के पालने में डालकर नामकरण संस्कार करती हैं और भगवान विठ्ठल का आभार व्यक्त करती हैं। शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता लीलाधर नागले ने बताया कि मनचाही मुराद पूरी होने पर श्रद्धालु महाप्रसादी के रूप में भंडारे का आयोजन भी करते हैं। देवभिलाई के इस विठ्ठल मंदिर में मध्यप्रदेश के साथ-साथ अन्य प्रांतों से भी हजारों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचकर दर्शन लाभ लेते हैं और सैकड़ों साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि पर शंकर नगर में भव तारिणी मां काली की विशाल प्रतिमा स्थापित

पांचों समय हो रही आरती में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर शंकर नगर में भक्तिमय माहौल के बीच अग्रसेन आईटीआई के सामने भव तारिणी मां काली की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा की स्थापना के साथ ही पूरे वार्ड में धार्मिक वातावरण बन गया है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

प्रतिमा स्थापना के बाद से यहां प्रतिदिन विधि-विधान के साथ पांचों समय आरती की जा रही है। सुबह से लेकर रात तक आरती और पूजन का क्रम लगातार चल रहा है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में वार्डवासी और आसपास के श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। आरती के समय पूरा क्षेत्र मां काली के जयकारों से गूंज उठता है और श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ माता की आराधना कर रहे हैं।

भव तारिणी मां काली की यह विशाल प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शाम के समय आरती में सबसे अधिक भीड़ देखी जा रही है, जहां महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल होकर माता से सुख-समृद्धि और शांति की कामना कर रहे हैं। प्रतिमा स्थल को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया है, जिससे भक्तों में और अधिक उत्साह दिखाई दे रहा है।

समिति के सदस्य रिंकू बारंगे द्वारा आरती की पूरी व्यवस्था संभाली जा रही है और समिति का संचालन भी उनके मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 22 मार्च 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

कटंगी में फूटा आक्रोश का लावा, ऐतिहासिक बंद से थमी रफ्तार!

जामेश्वर मंदिर कांड हनुमानजी की प्रतिमा जलाने वालों को 10 दिन में गिरफ्तारी की चेतावनी, वरना होगा उग्र आंदोलन

राष्ट्रबाण कटंगी | संवाददाता rashtrabaan.in

शांतिप्रिय माने जाने वाले कटंगी क्षेत्र की फिजाओं में इन दिनों भारी उबाल है। ग्राम जाम स्थित ऐतिहासिक जामेश्वर शिव मंदिर परिसर में हनुमान जी की प्राचीन सिद्ध प्रतिमा को जलाए जाने की कायराना हरकत ने समूचे हिंदू समाज को सड़क पर ला दिया है। इस जघन्य कृत्य के विरोध में शुक्रवार 20 मार्च को कटंगी ने ऐतिहासिक बंद के साथ अपनी एकजुटता का परिचय दिया। सुबह से ही क्या बाजार क्या यातायात सब कुछ पूरी तरह ठप रहा। आलम यह था कि लोग चाय और पानी तक के लिए तरस गए, लेकिन धर्म पर हुए प्रहार के खिलाफ व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने शटर नीचे गिराए रखे।

अंधविश्वास की बलि चढ़ी आस्था? सनसनीखेज खुलासा!

इस पूरे मामले में एक चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। सूत्रों और प्रारंभिक चर्चाओं के अनुसार, इस घृणित कांड के पीछे अंधविश्वास का काला साया नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि कटंगी निवासी बैंक कर्मी विनोद डहरवाल और रैयतवाड़ी निवासी आनंद चौधरी ने अपनी व्यक्तिगत समस्याओं (संतान प्राप्ति और बेटी की परीक्षा में सफलता) के समाधान के लिए किसी के बहकावे में आकर मंदिर में कुछ विचित्र पूजा की थी। उनकी इस कथित लापरवाही या अंधविश्वासी कृत्य के कारण ही प्रतिमा को आग लग गई। हालांकि, आरोपी इसे केवल अनजाने में हुई चूक बता रहे हैं, लेकिन हिंदू संगठनों का स्पष्ट तर्क है कि आस्था के केंद्र के साथ इस तरह का खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छावनी में तब्दील रहा कटंगी : बंद के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद रहा। तिरोड़ी, खैरलांजी और वारासिवनी से अतिरिक्त बल बुलाया गया थाचप्पे-चप्पे पर खाकी की नजर रही, जिसके चलते बंद पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा।

भक्ति और शक्ति का संगम

गूंजे जयकारे, हुआ चालीसा पाठ सकल हिंदू समाज, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। सिनेमा चौक भगवामय हो गया और जय श्रीराम-जय हनुमान के गगनभेदी उद्घोषों से आसमान गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों का जज्बा देख स्थानीय नागरिकों ने भी खुलकर समर्थन किया और उनके लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की। दोपहर एक बजे सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया गया।

प्रशासन को अल्टीमेटम : 10 दिन में आरोपी सलाखों के पीछे हों

सिनेमा चौक से निकली विशाल आक्रोश रैली ने पूरे शहर का भ्रमण किया। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम के.सी. ठाकुर और एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी अगर दस दिनों के भीतर दोषियों को गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा गया, तो आंदोलन की अगली चिंगारी प्रशासन संभाल नहीं पाएगा।

काली माता मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

राष्ट्रबाण कटंगी | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 19 मार्च को कटंगी विकासखंड के ग्राम कटेरा, सिंगोड़ी एवं बनेरा की सीमा पर आयोजित काली माता मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में शामिल हुए। जनसहयोग से निर्मित इस मंदिर में उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने ग्राम सिंगोड़ी में राज्य वित्त आयोग के तहत 12.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम में विधायक गौरव सिंह पारधी, जनपद पंचायत कटंगी की अध्यक्ष श्रीमती कविता देशमुख, जिला पंचायत सदस्य केशर बिसेन, मेश देशमुख, अमीर चंद छिपेश्वर, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एसडीएम के.सी. ठाकुर, जनपद सीईओ गायत्री कुमार सारथी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने काली माता मंदिर निर्माण एवं मूर्ति स्थापना के लिए ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आस्था और आपसी एकजुटता को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह स्थल भविष्य में एक प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है। उन्होंने सेवा भाव को सच्ची ईश्वर भक्ति बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। साथ ही मंदिर निर्माण में विशेष योगदान देने वाले डॉ. विश्वास के प्रयासों की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम में तीनों ग्रामों के सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक गौरव पारधी ने सुकड़ी घाट में 3.15 एमवीए सब स्टेशन का लोकार्पण, सीसी रोड का भूमि पूजन

राष्ट्रबाण खैरलांजी | संवाददाता rashtrabaan.in

ग्राम पंचायत टेकाडीघाट के ग्राम सुकडी घाट में पावर ट्रांसफार्मर 3.15 एमवीए सबस्टेशन का लोकार्पण विधायक गौरव सिंह पारधी जी के द्वारा किया गया। साथ ही ग्राम में सीसी रोड का भूमि पूजन विधायक जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले, जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके, जनपद सदस्य दिनेश नागदेवे, मंडल अध्यक्ष लिल्हारे, राजेंद्र देशमुख, जिला भाजपा उपाध्यक्ष अजय मेश्राम, भाजपा जिला मंत्री अरुणा गजभिए, पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा तेज लाल चौधरी, सरपंच रेखा युवराज पटले, मीरगपुर सरपंच दीपक देशमुख, गुडरु घाट सरपंच दिलीप बिसेन, रानीमोहगांव सरपंच दुर्गेश पारधी, सावरगांव सरपंच अनिल मस्करे, विनोद गौतम, आलोक पाटिल जनपद सदस्य, उप सरपंच नरेंद्र क्षीरसागर, बिजली विभाग से राजीव रंजन जी, विनीत बिसेन, राम प्रसाद पटले, राहुल जायसवाल, देवेंद्र गौतम, प्रफुल्ल लिल्हारे, मनोज भगत, चंद्रप्रकाश पुष्पतोड़े एवं समस्त अतिथिगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक गौरव पारधी ने संबोधन में किया अनुभव साझा

विधायक जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज सुकड़ी के नवनिर्मित सब स्टेशन के लोकार्पण में पहुंचे सभी जनप्रतिनिधि एवं बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को मेरा नमस्कार। मेरा बालाघाट आना बिजली के कार्य करते-करते हुआ। मैंने हैदराबाद में जॉब ज्वाइन किया था, उसी दौरान मध्यप्रदेश में फीडर सेपरेशन का कार्य प्रारंभ हुआ और जिस कंपनी में मैं कार्यरत था, उसे यह प्रोजेक्ट मिला। मुझे जानकारी मिली कि बालाघाट जिले में कार्य चल रहा है, तब से मेरा यहां आना-जाना शुरू हुआ और वर्ष 2013 में मैं बालाघाट शिफ्ट हो गया।

विद्युत कार्यों का विस्तार और उपलब्धियां

उस समय बालाघाट, सिवनी, सिंगरौली, बैतूल, उज्जैन, देवास, शिवपुरी, सीधी सहित करीब 13 जिलों में विद्युत कार्य चल रहा था, जिनका मुझे कोऑर्डिनेटर बनाया गया। मैंने योजना बनाकर कार्य किया ताकि लंबे समय तक बिजली की समस्या न हो। जहां एक ट्रांसफार्मर की जरूरत थी, वहां दो लगाए गए, 25 की जगह 63 क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाए गए। प्रयास रहा कि हर क्षेत्र तक बिजली पहुंचे, यहां तक कि कृषि फीडरों के माध्यम से खेतों तक भी बिजली पहुंचाई गई।

धार्मिक स्थलों तक बिजली पहुंचाने का कार्य

उन्होंने कहा कि रमरमा महादेव, झरिया महादेव और लिगमारा के बालाजी मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों तक भी बिजली पहुंचाने का सौभाग्य मिला। इसी कार्य के दौरान जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ और आज भी उसी भावना से कार्य कर रहा हूं। विद्युत विभाग से मेरा गहरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस क्षेत्र की जरूरतों को बेहतर समझता हूं।

आगामी योजनाएं और 132 केवी सबस्टेशन पर फोकस

विधायक ने कहा कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सबस्टेशन और ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए प्रयास जारी हैं। खैरलांजी क्षेत्र में 132 केवी सबस्टेशन की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे ऊर्जा विभाग की परामर्श समिति के सदस्य हैं और आने वाले समय में इस कार्य को स्वीकृति दिलाकर शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा, जिससे कटंगी-खैरलांजी क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा। इसी क्रम में ग्राम पंचायत चिखलाबाध में भी सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधायक गौरव सिंह पारधी जी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय मेश्राम, जनपद सदस्य प्रकाश उके, भाजपा जिला मंत्री अरुणा गजभिए, राजेंद्र देशमुख, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा बालाघाट तेज लाल चौधरी, मंडल अध्यक्ष दीपेश्वरी डोमन सिंह लिल्हारे, ग्राम सरपंच अनीता राजू बिठले, उप सरपंच मुनेश मारकु, जनपद सदस्य रीना भीम प्रकाश बोरकर, पूर्व सरपंच नेतलाल रामटेके एवं समस्त अतिथिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गोंडी देव स्थल के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक एकता का आयोजन

मिरेगांव में आज होगा आदिवासी गोंगो सम्मेलन का आयोजन

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से ग्राम मिरेगाँव स्थित प्राचीन गोडीदेव स्थल पर आज 22 मार्च 2026, रविवार को एक विशाल आदिवासी गोंगो सम्मेलन का भव्य आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर निगरानी समिति के उपाध्यक्ष तिरुपति मुकेश अड़मे ने विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह आयोजन समाज की प्राचीन धरोहरों के जीर्णोद्धार और युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे गोडीदेव स्थल पर पारंपरिक गोंगो (पूजा-अर्चना) के साथ होगी, जो सुबह 10 बजे तक चलेगी। इस दौरान प्रकृति शक्ति की आराधना कर समाज की खुशहाली की कामना की जाएगी। इसके पश्चात, सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुख्य अतिथियों और विशेष अतिथियों द्वारा समाज को संबोधित किया जाएगा। शाम 4 बजे सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन होगा, वहीं शाम 5 बजे से देर रात तक गोंडी सांस्कृतिक प्रतिवर्ष के अनुसार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। तिरु मुकेश अड़मे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तिरुपति संजय उइके (विधायक, बैहर), तिरुपति श्रीमती अनुभा मुंजारे (विधायक, बालाघाट) और तिरुपति दिनेश धुर्वे (अ.आ.वि.प. बालाघाट) उपस्थित रहकर समाज का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तिरुपति श्रीमती संदेश सैयाम द्वारा की जाएगी, जबकि मुख्य देव भीडा की जिम्मेदारी बिरसिंह मर्सकोले संभालेंगे। सम्मेलन की गरिमा बढ़ाने के लिए क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक वरिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जिनमें प्रमुख रूप से तिरुपति ज्ञानसिंह गोडके (अ.अनु.वि.प. लालबर्रा), शुभम उइके (अ.युवा.प्र. बालाघाट), झनकार सिंह उइके (कार्य.अ.अनु.वि.परि. लालबर्रा), धनेन्द्र भलावी (ज.प.स. सालेभरी), श्रीमती भागन उइके (ज.प.स. कटंगझरी), अनिल उइके (सचिव आ.वि.प. लालबर्रा), प्रीतम उइके (समाजसेवी), ज्ञानसिंह इड़पाचे (समाजसेवी), अमर सिंह उइके, देलन सिंह मर्सकोले और रेखलाल अड़मे शामिल हैं। विशेष अतिथियों की सूची में क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सक्रिय समाजसेवियों का नाम शामिल है जिसमें श्रीमती काजल कुर्वेती (सरपंच), नरेन्द्र उइके (सरपंच), प्रेमसिंह मर्सकोले (भूतपूर्व सरपंच), मितेश तेकाम (उपसरपंच), रामसिंह मर्सकोले, रामप्रसाद वरकडे, देवेन्द्र उइके (अ.वी.प), नारायण पन्द्रे, रतन उइके, रामसिंह कंगाली, ताराचन्द उइके और जयशंकर उइके अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने के लिए एक सशक्त निगरानी समिति का गठन किया गया है। तिरु मुकेश अड़मे (उपाध्यक्ष) के साथ समिति के अन्य पदाधिकारी दिन-रात तैयारियों में जुटे हैं अध्यक्ष तिरुपति श्रीमती पुष्पा अड़मे, सचिव तिरुपति अर्जुन उइके, महासचिव तिरुपति सूरज कोडापे, ज्ञानसिंह तेकाम, संतोष निकुशे, झामसिंह मर्सकोले और हेमन्त मर्सकोले, सहायक सचिव तिरुपति जयप्रकाश परते, भानु सैयाम और महेश सिरसाम सहित आयोजन को सफल बनाने में समाज के हर वर्ग का योगदान मिल रहा है।

लालबर्रा-समनापुर मार्ग निर्माण में समस्या या समाधान

गाली गलौज मारपीट के झूठे आरोपों के बाद काम ठप्प, वार्डवासियों ने उठाई सुव्यवस्थित सड़क बनाने व जल निकासी की मांग

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

लालबर्रा नगर मुख्यालय को समनापुर से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण पहुंच मार्ग एक बार फिर विवादों की सुर्खियां बटोर रहा है। वर्षों के लंबे इंतजार और प्रशासनिक प्रयासों के बाद शुरू हुआ यह निर्माण कार्य 19 मार्च को उस समय अचानक रुक गया, जब एक स्थानीय नागरिक और निर्माण कार्य के सुपरवाइजर के बीच तीखी झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बाद कार्यस्थल पर तनाव व्याप्त हो गया और आक्रोशित मजदूर काम बंद कर थाना पहुंच गये। श्रमिकों ने आरोपी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए काम जारी रखने में असुरक्षा व्यक्त की है। विवाद के अगले दिन, 20 मार्च को शाम 06 बजे वार्डवासी नीरज पशीने ने वार्डवासियों के साथ एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने सुपरवाइजर के साथ गाली गलौज मारपीट के आरोपों को पूरी तरह निराधार, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया। नीरज पशीने ने स्पष्ट किया कि वे पूर्व में स्वयं ठेकेदारी का अनुभव रखते हैं, इसलिए सड़क निर्माण की तकनीकी बारीकियों को समझते हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल जनहित में अधिकारियों और साइट इंचार्ज से सड़क की गुणवत्ता और जल निकासी को लेकर चर्चा कर रहा था। मेरी सक्रियता से घबराकर स्थानीय जनप्रतिनिधि के कहने पर सड़क निर्माण करने वाली फर्म के ठेकेदार के कर्मचारियों को भड़काकर मुझ पर झूठा आरोप लगाकर स्नढ्ढक्रदर्ज कराई गई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में भविष्य में जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए उचित बॉक्स कलवर्ट (पुलिया) का निर्माण अनिवार्य रूप से किया जाए।

वार्ड वासी नीरज पशीने ने लालबर्रा अमोली समनापुर सड़क निर्माण कार्य को लेकर पूर्व से एमपीआरडीसी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों एवं तत्कालीन कलेक्टर से भी फोन पर एवं उनके समक्ष उपस्थित होकर इस मामले पर अवगत कराया था जिस पर पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर ने जिला सीईओ एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण स्थल पर भिजवाकर निरीक्षण करवाया था एवं वार्ड वासियों की समस्या को समझते हुए संज्ञान लिया था। पूर्व में व वर्तमान में कलेक्टर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से इस संबंध में वार्ड वासियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाने को लेकर विभिन्न बार जिम्मेदार अधिकारियों एवं कलेक्टर से फोन पर एवं उनके समक्ष उपस्थित होकर भी इस विषय पर अवगत कराते हुए चर्चा की है। इस सड़क निर्माण कार्य को लेकर वर्तमान में आई विवादास्पद स्थिति को लेकर वार्डवासी नीरज पशीने ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कराया एवं वे जल्द ही इस संबंध में हाई कोर्ट पहुंच कर जनहित याचिका लगाने वाले हैं। इन्होंने कहा कि 1करोड़ 60 लाख रुपए की राशि से स्वीकृत इस सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता नहीं है और सुव्यवस्थित सड़क निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है। इसमें पाढरवानी सरपंच एवं विधायक पर कमीशन बाजी एवं राशि का बंदरबांट कर गोलमाल करने का आरोप लगाया है।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष संजीव अवधिया ने भी वार्डवासियों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों का उद्देश्य सड़क निर्माण कार्य के विकास कार्य में बाधा डालना बिल्कुल भी नहीं है। अवधिया ने तर्क दिया कि जो जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पांढरवानी के सरपंच को निभानी चाहिए थी, वह काम आज जागरूक वार्डवासी कर रहे हैं। संजीव अवधिया ने कहा कि पाढ़रवानी सरपंच को छोटे-छोटे विषयों पर समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित करवाने से एवं लालबर्रा नगर में इधर-उधर छोटे-बड़े फ्लेक्स लगवाने से फुर्सत नहीं मिल रही है। लालबर्रा अमोली- समनापुर मार्ग एमपीआरडीसी विभाग से 1करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से निर्माण किया जा रहा है। जिसमें पाढ़रवानी के सरपंच एवं विधायक पर लंबा कमीशन गोलमाल करने के आरोप लगाया है। सभी चाहते हैं कि सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण हो, लेकिन भविष्य में होने वाली जल निकासी की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि अभी सही ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया, तो पहली बारिश में ही वार्डवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सड़क निर्माण के पूर्व सड़क के बीच में आ रहे विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर को भी हटाए जाना था, जो नहीं किया गया है। क्या संबंधित जिम्मेदार विभाग या प्रशासन किसी गंभीर दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। कोई बड़ी अप्रिय घटना घटेगी उसके बाद सड़क से पोल एवं ट्रांसफार्मर हटाए जाएंगे। यदि किसी स्कूल कॉलेज के बच्चे या किसी भी अन्य राहगीरों के साथ कोई भी हादसा घटित होता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा ?

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। एक तरफ जहां ठेकेदार पक्ष गाली गलौज मारपीट की घटना से डरा हुआ है एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के इशारे पर चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ वार्डवासी बुनियादी सुविधाओं और सही तकनीकी निर्माण की मांग पर अड़े हैं। एवं अन्य दूसरे विभाग के अनुभवी अधिकारियों से इस सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने की मांग कर रहे हैं। इस खींचतान के कारण लालबर्रा-समनापुर मार्ग का भविष्य एक बार फिर अधर में लटकता नजर आ रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गतिरोध आरोप प्रत्यारोप को सुलझाने के लिए क्या मध्यस्थता निभाता है ताकि क्षेत्र का विकास और जनहित दोनों सुरक्षित रह सकें। इस सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की बिना पक्षपात के सही जांच नहीं कराई गई तो वार्ड वासियों ने संबंधित जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

बेहतरीन गुणों से भरपूर होता है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 1.89 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं।

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**

गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।

- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**

पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।

- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**

थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।

- **यूरिक एसिड को कम करता है**

उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चाररेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

चयापचय प्रणाली बाधित कर सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

ह्रदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433